हाथी

जंगल जानवरों में हाथी सबदे बड़ा और सबदे बलवान है | इसका शरीर बहुत बड़ा और मोटा होता है | इसका कद बहुत ऊंचा होता है | इसकी चार टाँगें मोटी-मोटी थम्ब जैसी होती हैं | इसकी पीठ ऊंची और चौड़ी होती है | इसके दो लटकते कान सूप जैसे दिखाई पड़ते हैं | इसकी पूँछ छोटी होती है | इसका माथा बहुत चौड़ा होता है | परन्तु आँखों छोटी होती हैं |

हाथी के दो लम्बे सफ़ेद दांत मुंह से बाहर निकले रहते हैं | ये दूर से दिखाई देते हैं | हाथी कि सबसे विचित्र चीज़ सूँड है | यह इसके मस्तक से लेकर पृथ्वी तक लटकती रहती है | हाथी अपनी सूँड से वही काम लेता है, जो हम अपने हाथों से लेते हैं | इसी से यह पानी पीता, घास, पत्ते, टहनियाँ, गन्ने, मिठाई, रोटी आदि खाता है | सूँड के अगले भाग से ही यह खाने कि चीज़ उठोकर मुँह में रख लेता है | हाथी शाकाहारी पशु है |

पहले राजा और धनि लोग इसकी सवारी लिया करते थे | कहीं-कहीं महात्माओं और देवी-देवताओं के जुलूस भी हाथी पर निकाले जाते थे | हाथी की पीठ पर हौदा लगा दिया जाता है | उसी में बैठकर लोग सवारी करते हैं | पहले योद्धा लोग हाथी पर बैठकर लड़ाई भी किया करते थे | शत्रु के किले का दरवाज़ा तोड़ने में भी हाथी से काम लिया जाता था |

हाथी एक समय में कई क्विंटल बोझ ढो सकता है | लकड़ी ढोने में यह कमाल करता है | पालतू हाथी झुककर अपनी सूँड से लकड़ी के गटठों को उठा लेता है | फिर जहाँ ले जाना हो, वहां पहुंचा देता है | असं प्रदेश तथा ब्रह्मा देश के जन्गालिन में लकड़ी ढोने का काम हाथियों से लिया जाता है |

हाथी शेर के शिकार में भी काम आता है | हाथी के दांत बहुत कीमती होते हैं | इन्हें घरों में सजाया जाता है तथा इनसे तरह-तरह के सुन्दर खिलौने तथा आभूषण भी बनाए जाते हैं | ताजमहल के नमूने आदि बनाये जाते हैं | सर्कस वाले हाथी को साधकर उससे कई तरह के खेल करवाते हैं |

सचमुच हाथी एक निराला जानवर है |

1- Metindeki cümlelerin yapısı incelenerek, çevirisi yapılacaktır.